D.B. College, Jaynagar.
Deptt of Pol. Science
B.A-III, Pub. Admini-

Dr. A.K. Yadav
Asstt. Prof. G.P.T.T
Political Science

Date-28-10-2020

Lecture No-26

प्रशासनिक सिद्धान्त का तात्पर्य
(Meaning of Administrative Theory)

लोकप्रशासन को समग्र रूप से समझने के लिए जिस सिद्धान्त की आवश्यकता होती है वह प्रशासनिक सिद्धान्त ही है। प्रशासनिक सिद्धान्त का सम्बन्ध प्रशासनिक संस्थान तथा सरकार के कार्यों से होता है। इसके अर्थ को स्पष्ट करते हुए एक भारतीय विद्वान ने लिखा है कि प्रशासनिक सिद्धान्त, प्रशासकों के अवधारणात्मक अनुभवों तथा प्रशासनिक परिस्थितियों के निरीक्षण से पैदा हुई धारणा पर आधारित है। वैसे यह तुलनात्मक अध्ययनों अथवा बुद्धिजीवियों की राय या विचार से भी निकल सकता है और पुष्ट हो सकता है। प्रशासनिक क्षेत्र में अवधारणाएँ विकसित करने में अनेक विषयों में हुए विकास से भी सहायता मिल सकती है। यह समाज विज्ञान के कारण सम्भव है जो विभिन्न विषयों को एकीकृत करता है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि दूसरे समाज विज्ञानों के विकास या उनमें सैद्धान्तिक अथवा व्यावहारिक रूप से होने वाले परिवर्तनों का प्रभाव प्रशासनिक सिद्धान्तों पर पड़ता है। अन्य सिद्धान्तों की भाँति प्रशासनिक सिद्धान्त को भी विज्ञान के लक्ष्यों का सहयोगी होना चाहिए। प्रशासनिक सिद्धान्त को विषय का परिक्षेत्र स्पष्ट ढंग से तय करना चाहिए। प्रशासनिक सिद्धान्त को लोक प्रशासन के सम्बन्ध में नवीन तथ्यों की जानकारी प्राप्त करनी चाहिए। प्रशासनिक सिद्धान्त को लोक प्रशासन की व्यापक व्याख्या के लिए तैयार रखना चाहिए—

Scanned with CamScanner

प्रशासनिक सिद्धांत को तथ्यों पर आधारित होना चाहिए। ताकि आवश्यकतानुसार उनका परीक्षण किया जा सके। प्रशासनिक सिद्धांत को तार्किक, सुसंगत और शोधजन्य होना चाहिए।

Scanned with CamScanner